देवनागरी लिपि की विशेषताएं

- डॉक्टर पूजा असिस्टेंट प्रोफेसर

हिंदी विभाग

जैन कन्या पाठशाला (पी.जी .)कॉलेज

मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)

- देवनागरी लिपि एक वैज्ञानिक एवं आदर्श लिपि है। एक वैज्ञानिक एवं आदर्श लिपि की दो विशेषताएं होती हैं, वे सहज रूप में देवनागरी लिपि में देखी जा सकती है –
- देवनागरी लिपि की एक मुख्य विशेषता यह है कि इसमें एक ध्वनि के लिए एक चिन्ह का प्रयोग होता है।
- वर्णमाला का वर्गीकरण भी देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषता है।नागरी लिपि में वर्णमाला का वर्गीकरण पूर्णत:वैज्ञानिक है।
- लिपि चिन्हों के नाम ध्वनि के अनुरूप है।नागरी लिपि कि यह बहुत बड़ी विशेषता है कि जो लिपि चिन्ह जिस ध्वनि का बोधक है, उसका नाम भी वही है।

- देवनागरी लिपि पर्याप्त लिपि चिन्ह से संपन्न लिपि है। यह आदर्श लिपि है, जिसमें किसी भाषा की समग्र ध्वनियों को अंकित करने की क्षमता है।
- ह्रस्व तथा दीर्घ स्वरों के लिए स्वतंत्र चिन्ह की विशेषता भी इसकी प्रमुख विशेषता है। देवनागरी लिपि में स्वर के दोनों रूपों के चिन्ह मिलते हैं जैसे ह्रस्व स्वर –अ,इ,उ इत्यादि। दीर्घ स्वर-आ, ई,ऊ इत्यादि।
- देवनागरी लिपि अक्षरात्मक लिपि है वर्णनात्मक लिपि नहीं ।अक्षरात्मक लिपि उसे कहते हैं, जिसमें एक वर्ण प्रीति के लिए एक अक्षर का व्यवहार किया जाता है।
- स्वर के साथ स्वर संकेत देवनागरी लिपि की एक अन्य विशेषता है। “अ”मैं आकर लगाने से “आ”ध्वनि पैदा होती है।
- देवनागरी में वर्णों के नाम उच्चारण के अनुरूप हैं। लेखन और उच्चारण में एकरूपता देवनागरी लिपि की एक अन्य प्रमुख विशेषता है।देवनागरी लिपि में जो लिखा जाता है, वही पढ़ा जाता है।
- देवनागरी लिपि में लेखन के अनुरूप प्रत्येक वर्ण उच्चारित होते हैं। उच्चारण अथवा वर्तनी की दृष्टि से देवनागरी सुनिश्चित एवं विवाद रहित लिपि है।

सुपाठ्यता देवनागरी लिपि की एक अन्य प्रमुख विशेषता है।भोले नाथ तिवारी ने सुपाठ्यता को किसी भी लिपि के लिए अनिवार्यतः आवश्यक गुण बताते हुए इस दृष्टि से देवनागरी लिपि को वैज्ञानिक लिपि माना है ।

देवनागरी लिपि में सुंदर और कलात्मक लेखन की विशेषता सहज दर्शनीय है। देवेंद्र नाथ शर्मा के अनुसार सौंदर्य भी लिपिका एक महत्वपूर्ण गुण है।

विशिष्ट अभिव्यक्ति देवनागरी लिपि की महत्वपूर्ण विशेषता है। हिंदी साहित्य में कुछ ऐसे रूप है जो नागरी लिपि में ही व्यक्त किए जा सकते हैं, अन्य किसी लिपि में नहीं।

देवेंद्र नाथ शर्मा ने आदर्श लिपि के अंतर्गत जिन विशेषताओं का उल्लेख किया उसमें एक आशु लेखन भी है।देवनागरी लिपि आशु लेखन में समर्थ लिपि हैं।

- समान लिपि चिन्हों में आकृति की समानता की दृष्टि से देवनागरी लिपि एक वैज्ञानिक लिपि है।
- संयुक्ता देवनागरी में संयुक्ता का का गुण ऐसा है जिसके कारण यह लिपि सूक्ष्मतम भाषा संकेतों को प्रकट करने में पूर्णता समर्थ है।
- यांत्रिक सौकर्य अर्थात मुद्रण और टंकण आदर्श लिपि की मुख्य विशेषता मानी गई है।
- देवनागरी लिपि को सीखना एकदम आसान है। केवल एक सीधी रेखा (।) आड़ी रेखा (/) और अर्धवृत्त सीख लेने पर प्राय सभी देवनागरी अक्षर बनाना सीखा जा सकता है ।

- धन्यवाद